(घ) यदि हां, तो किस-किस कच्चे माल के आयात पर आंशिक या पूर्ण प्रतिबन्ध लगाया गया है और इसके क्या कारण थे ?

प्रधान मंत्री कार्यालय में राज्य मंत्री (श्री कमल मोरारका) : (क) से (घ) केन्द्रीय सांख्यिकी संगठन द्वारा संकलित औद्योगिक उत्पादन सूचकांक के अनुसार, चालू वित्तीय वर्ष 1990–91 की पहली तथा दूसरी तिमाही में विकास दर क्रमशः 12.9 प्रतिशत तथा 10.6 प्रतिशत थी ।

जी०जी टी०डी०एककों की उत्पादन विवरणियों के एक विश्लेषण के अनुसार यह उल्लख किया गया है कि कुछ औद्योगिक एककों जैसे इलैक्ट्रोनिक तथा दूर संचार विद्युत उत्पादन, निर्माण उपकरण परिवहन, औजार, इंजीनियरी उद्योगों में सूचित किया है कि अप्रैल-सितम्बर 1990 के दौरान आयतित कच्चे मालों की कमी रही ।

खाड़ी संकट के कारण हुई भुगतान संतुलन की तंगी के कारण सरकार ने खुले सामान्य लाइसेंस और पूरक लाइसेंसों के अधीन कच्चे माल तथा संघटकों के आयात पर आटोमोबाइल, इलैक्ट्रानिक मदों और उपभोक्ता वस्तुओं के निर्माण कर रहे वास्तविक उपभोक्ताओं के निशुल्क विदेशी मुद्रा आयात के अधिकार में 15 प्रतिशत की कटौती कर दी है । सोलह विशिष्ट कच्चे माल और संघटकों को खुले सामान्य लाइसेंस सूची से बाहर कर दिया गया है । इसके अलावा, खुले सामान्य लाइसेंस के तहत कच्चे माल, संघटकों, उपभोक्ता वस्तुओं व फालतू पुर्जों तथा जिगों, फिक्सचरों, मोल्डेस इत्यादि जिनका आयात नीति में उल्लेख नहीं है, के आयात की सुविधा को 6 नवम्बर, 1990 से 3 महीने की अवधि के लिए स्थगित कर दिया गया है ।

Indo-us Conclave on Defence Matters

*173. SHRI G. G. SWELL: Will the PRIME MINISTER be pleased to state:

(a) whether a secret conclave took place in New Delhi from December 1 lth to 13th, 1990, between the American Ambassador to India, the U. S. Assistant Secretary of State in charge of the Middle East and Asian Affair and Officers from the Pentagon with the former Army Chief General Sunderji and other Indian defence analysts and Officers;

(b) Whether such conclaves are a normal feature; and

(c) the dates of such conclaves in the past ?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF DEFENCE (SHRI LALIT VIJAY SINGH) (a) No, Sir, However, US Government officials and defence analysts has participated in a joint symposium organised by the Institute for Defence Studies and Analyses, New Delhi, and the Institute for National Strategic Studies (National Defence University), Washington, between 1 lth and 13th December, 1990, at Khadak-vasla.

(b) and (c) Do not arise.

पाकिस्तानी राष्ट्रिकों द्वारा जम्मू कश्मीर घुसपैठ

*174. **श्री शंकर दयाल सिंह** : क्या **प्रधान मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) गत तीन महीनों के दौरान पाकिस्तानी राष्ट्रिकों द्वारा जम्मू-कश्मीर क्षेत्र में घुसपैठ करने के कितनी बार प्रयास किये गये और ऐसी मुठभेड़ों में दोनों पक्षों के कुल कितने सैनिक हताहत हुए;

(ख) क्या यह सच है कि बहुत बड़ी संख्या में पाक सैनिक जम्मू-कश्मीर क्षेत्र में घुसपैठ कर गए हैं; और

(ग) सरकार द्वारा इस संबंध में की गयी कार्यवाही का ब्यौरा क्या है ?

रक्षा मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री ललित विजय सिंह) : (क) पाकिस्तान हमारे विरूद्ध आतंकवाद को बढ़ाकर और आंतकवादियों को घुसपैठ करने में मदद करके तथा उन्हें हथियार देकर भारत के आंतरिक मामलों में लगातार हस्तक्षेप कर रहा है । तथापि, पिछले तीन महीनों के दौरान जम्मू-तथा कश्मीर में पाकिस्तानी नागरिकों द्वारा हमारे क्षेत्र में खुले रूप से घुसपैठ किए जाने का कोई मामला जानकारी में नहीं आया है ।

(ख) जम्मू तथा कश्मीर में पाकिस्तानी सैनिकों की घुसपैठ के बारे में कोई सूचना उपलब्ध नहीं है ।

(ग) भारत सरकार ने इस क्षेत्र में शांति और स्थायित्व बनाए रखने के लिए पाकिस्तान सरकार से इस बात की आवश्यकता पर जोर दिया है कि वह आंतकवादियों की सहायता करना बन्द कर दें । इसके साथ ही सीमापार से किसी प्रकार का हस्तक्षेप/घुसपैठ की घटनाओं पर रोक लगाने के लिए भी सीमाओं पर सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने के उपयुक्त कदम उठाए गए हैं ।

♦Financial assistance to sick units

•171 SHRI JAGADISHJANI: Will the PRIME MINISTER b pleased to state:

(a) whether Government are aware of the growing industrial sickness, particularly in the small scale sector in different parts of the country; and

(b) if so, the package of financial assist ance proposed to be extended or measures proprosed to be adopted to revive the sick units?

THE MINISTER OF STATE IN THE PRIME MINISTER'S OFFICE (SHRI KAMAL MORARKA: (a) Data onsick industrial units assisted by banks in the county are collected by Reserve Bank of India as per the definition of sickness adopted by it. According to the lastest data available from Reserve Bank of India, the number of sick small, medium and large scale industrial units under the SSI and Non-ssi categories as at the end of December, 1988 is indicated as under:

No. of Non-SSI sick units	No. of SSI sick units
1, 241	2, 40, 573

(b) For revival of sick industrial units Government of India have go a uniform policy for the whole country Some of the important aspects are as follows:

(i) The Government have enacted a comprehensive legislation namely 'The Sick Industrial Companies' (Special Provisions) Act, 1985. A quasi-judicial body designated as 'The Board for Industrial and Financial Reconstruction (BIFR)' has been set up under the Act to deal with the problems of sick industrial companies in an effective manner, which has become operational with effect from 15th May, 1987.

(ii) The Reserve Bank of India have issued guidelines to the banks for strengthening the monitoring system and for arresting industrial Sickness at the incipient stage so that corrective measures are taken in time.

(iii) The banks have also been direted by the Revserve Bank of India to formulate rehabilitation package*